"विश्वविद्यालय से कृषकों के द्वार पशुधन पंचाग – 2019
एक अनुपम उपहार – प्रो. डॉ. प्रयाग दत्त जुयाल"

जबलपुर। आज दिनांक 10 जनवरी 2019 को नानाजी देशमुख पशुचिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय, जबलपुर के सभागार में माननीय डॉ. प्रयाग दत्त जुयाल, कुलपति, के मुख्य आतिथ्य में **"पशुधन पंचाग– 2019"** कृषकों/पशुपालकों के हितार्थ विमोचन किया गया। कार्यक्रम के दौरान माननीय कुलपति जी ने उद्बोधन करते हुये कहा कि **"पशुधन पंचाग– 2019"** में मध्यप्रदेश व भारतीय पशुधन एवं कुक्कुट नस्लों का संरक्षण जिनमें **गायों में–** निमाड़ी, **भैंसों में**– मालवी, ग्आलओं, केनकथा, गिर, साहीवाल, भारत का गौरव मुर्रा व मदावरी नस्ल, एवं कड़कनाथ **कुक्कुट** नस्लों से संबंधित **ज्ञानोपयोगी जानकारी**– नस्ल का नाम, NBAGR परिग्रहण संख्या, उत्पत्ति, नस्ल की विशेषताएं/विशष्ट लक्षण, दुग्ध/उत्पादन क्षमता व औषधीय गुणों, माहवार पशुपालन के क्षेत्र में ध्यान देने योग्य सुझावों (बातों) के साथ ही माह में शासकीय एवं ऐच्छिक अवकाशों को भी वर्णित किया गया है। पशुधन पंचाग–2019 का प्रकाशन विश्वद्यिालय के अंतर्गत संचालित जनजातीय उप–योजना (भा.कृ.अ.प.) के सौजन्य से एवं संचालनालय, विस्तार शिक्षा के निर्देशन में विस्तार गतिविधियों के अंतर्गत हुआ है। आशा है, पशुधन पंचाग–2019 से मध्यप्रदेश के कृषक, पशुपालक सभी वर्गों के एवम् विशेषतौर पर आदिवासी अंचलों के पशुपालक भाई–बहनें लाभान्वित तो होंगे ही, साथ ही श्रद्धेय राष्ट्रऋषि नानाजी देशमुख एवं माननीय श्री नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री, भारत सरकार के स्वप्नोंः ग्रामोदय व सामाजिक–आर्थिक उत्थान के तहत् "कृषकों की आय 2022 तक दो

गुनी वृद्धि" लक्ष्य को हासिल कर सपनों को साकार कर "नवभारत निर्माण" में यह पशुधन पंचाग–2019 अपनी भूमिका का निर्वहन निष्ठा–पूर्वक करने में सहायक सिद्ध होगा।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के डॉ. एस.एन.एस. परमार अधिष्ठाता संकाय, डॉ. यश पाल साहनी, संचालक अनुसंधान सेवायें, डॉ. श्रीकांत जोशी, कुलसचिव, डॉ. मधु स्वामी, परीक्षा नियंत्रक, डॉ. ए.के. गौर, प्रभारी विभागाध्यक्ष/संचालनालय विस्तार शिक्षा, डॉ. सुदीप्त घोष, तकनीकि अधिकारी, अधिष्ठाता संकाय, प्रशासनिक अधिकारियों, प्रेस व इलेक्ट्रानिक मीडिया के प्रतिनिधियों एवम् प्राध्यापकों की उपस्थिति उल्लेखनी रही।

सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी
ना.दे.प.चि.वि.वि., जबलपुर